

2  
309  
7/2/19

## न्यायालय उपखण्ड अधिकारी रैणी जिला -अलवर

सनवान :- परसादी पुत्र पूया राम जाति जोगी वैगरा निवासी ग्राम रैणी तह0 रैणी जिला अलवर

बनाम

गोकल पुत्र पाच्या राम पति जाति जोगी वैगरा निवासी ग्राम रैणी तह0 रैणी जिला अलवर

### आदेशिका प्रा0 पत्र 212 आर0टी0एक्ट0

07.02.2019 - वकील पार्थी उपस्थित। आज यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर0टी0एक्ट0 का वकील पार्थी ने पेश कर निवेदन किया कि हाल खाता सं0 340 हाल आराजी खसरा नम्बर 1093 रक्बा 0.05 / 1096/1 रक्बा 0.58 है0 कुल किता 02 कुल रक्बा 0.63 है0 वाके ग्राम रैणी तह0 रैणी जिला अलवर में स्थित है। विवादित आराजी के मुताबिक जमाबन्दी सम्वत् 2069-72 के अनुसार प्रार्थीगण 1/3-1/3 के काबिज रिकॉर्डेड खातेदार काश्तकार है।

अतः अप्रार्थीगण को जरिये अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा से प्रार्थीगण को विवादित आराजी से जबरन बेदखल कर स्वयं कब्जा करते हुये कोई निर्माण कार्य न करे, न ही करावे। न ही कार्यकाश्त के उपयोग व उपभोग में किसी प्रकार की रुकावट पैदा करे। न ही विवादित आराजी की सुरक्षा हेतु कायम में स्थित पेड़ों को किसी प्रकार से नुकसान पहुंचावे। मौके की यथास्थिति बनाये रखने हेतु पाबन्द करने का निवेदन किया गया। साथ में शपत पत्र भी पेश किया।

वकील पार्थी को एक पक्षीय सुना गया। प्रस्तुत दस्तावेजात् से प्रथम दृष्ट्या केस पार्थी के पक्ष में होना प्रतीत होता है।

प्रार्थना पत्र पार्थी मय शपत पत्र व प्रस्तुत दस्तावेजात् पर विश्वास करते हुये अप्रार्थीगण को जरिये अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा से आगामी तिथि 25.02.2019 तक पाबन्द किया जाता है कि वो पार्थी के आराजी के हिस्से तक हाल खाता सं0 340 हाल आराजी खसरा नम्बर 1093 रक्बा 0.05, 1096/1 रक्बा 0.58 है0 कुल किता 02 कुल रक्बा 0.63 है0 वाके ग्राम रैणी तह0 रैणी जिला अलवर के मौका स्थिति यथावत बनाये रखे।

अप्रार्थीगण को इस आशय का रजि0 एडी0 नोटिस जारी हो कि उन्हें इस संबंध में कोई ऐतराज हो तो न्यायालय में असालतन व वकालतन उपस्थित होकर जाहिर करे कि क्यो ना उक्त आदेश ताफैसला दावा स्थाई कर दिया जावे। आदेश जारी हो।

प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर होकर आगामी नियत दिनांक 25.02.2019 को पेश हो।

उपखण्ड अधिकारी  
रैणी जिला अलवर

25/02/19

पीठासीन अधिकारी महोदय अन्य कर्षों में  
बसत है। दिनांक को 12/3/19 पेश हो

M. कोल

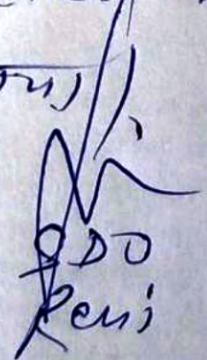
12/3/19

आज यह पत्रावली मूलकाद के साथ पेश हुई।  
स्वयं पार्थी एवं उनके अधिवक्ता अनुपस्थित।  
उनकी प्रकरण के न्यायालय के दरवाजे पर

P.T.O.

बार-बार आवाज दिलवाई गई।  
बाद इनका पक्षकारान, असालतन क  
लेहालतन अनुपस्थित) ऐसी स्थिति में प्राची  
प्रापक = 212 RTI में अदम हाजिरी  
रुके अदम फेरकी में खारीज किया जाय  
ई पठावली नम्बर से रुक होकर का  
पूर्ति सलंगन मूलवाद हो।

आप यह फैसला मेरे हृदय लिखवाया  
जाकर सारे इजलास सुनाया गया।

  
Ravi